भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 12 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: (i) 13 से 15 दिसंबर 2025 तक उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 13 और 14 दिसंबर को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में, और 13 दिसंबर 2025 को मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में शीत लहर की स्थिति बनी रहने की प्रबल संभावना है।

(ii) 13 से 15 दिसंबर 2025 तक उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, 16 से 17 दिसंबर 2025 तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 13 से 18 दिसंबर 2025 तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 13 से 15 दिसंबर 2025 तक असम, मेघालय, पंजाब और हरियाणा में, और 13 से 14 दिसंबर 2025 तक हिमाचल प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा।

अतीत 24 घंटों (12 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:

- पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय अस्थाई रूप से अत्यधिक घना (दृश्यता <50 मीटर) से घना कोहरा छाया रहा; हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर और गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) देखा गया।
- दृश्यता (≤200 मीटर) (मीटर में): पंजाब: अमृतसर 00 मीटर; पूर्वी उत्तर प्रदेश: कुशीनगर, गोरखपुर (आईएएफ) और अयोध्या - 00 मीटर प्रत्येक, बलिया और बस्ती - 30 मीटर प्रत्येक, आज़मगढ़ - 50 मीटर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली - 40 मीटर, मुरादाबाद (एपी) - 50 मीटर; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर - 50 मीटर; असम: जोरहाट 50 मीटर; मेघालय: बारापानी 50 मीटर; गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल: पुरुलिया 50 मीटर; मणिपुर: इम्फाल 200 मीटर।
- मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी हुई है।
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पिछले 7 दिनों से शीत लहर की स्थिति बनी हुई है।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट I एवं II देखें):

- मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक नई पश्चिमी विक्षोभ गर्त के रूप में मौजूद है, जिसका अक्ष लगभग 53° पूर्व देशांतर के अनुदिश 32° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- पूर्वोत्तर भारत में उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम चल रही है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 110 समुद्री मील प्रति घंटे की गति से चल रही हैं।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित है:

- पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में 13 से 18 दिसंबर तक और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 14 दिसंबर को छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 12 से 14 दिसंबर के दौरान कुछ/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है।

आज, 12 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और राजस्थान में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°-10°C के बीच रहा; पंजाब में कुछ स्थानों पर; ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा उत्तर-पूर्वी भारत में छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.6°C आदमपुर (पंजाब) में दर्ज किया गया।
- सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा; पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा; महाराष्ट्र और ओडिशा में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) रहा। छत्तीसगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, असम और मेघालय के कुछ अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (≤-5.1°C) है, जबकि तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ अलग-अलग स्थानों पर यह कम है। (परिशिष्ट IV देखें)
- तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट देखी जा रही है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 4 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-30 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ और छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में 2-30 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- अगले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन न होने की प्रबल संभावना है, उसके बाद के 5 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। अगले 5 दिनों के दौरान गुजरात क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन न होने की प्रबल संभावना है, उसके बाद के 2 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।
- अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।

सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:

- 13 दिसंबर को विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा में कुछ स्थानों पर शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- 13 और 14 दिसंबर को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भीषण शीत लहर से लेकर शीत लहर तक की स्थिति बनी रहने की प्रबल संभावना है, साथ ही 15 दिसंबर को भी कुछ स्थानों पर शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- 13 से 17 दिसंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ क्षेत्रों में, 13 से 15 दिसंबर के दौरान असम, मेघालय, पंजाब और हरियाणा में, और 13 और 14 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में सुबह के समय घना कोहरा छाने की प्रबल संभावना है।
- 13 से 15 दिसंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में और 13 से 16 दिसंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है, साथ ही 13 और 14 दिसंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 13 से 15 दिसंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 12 दिसंबर से 17 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

  अरब सागर: 12 दिसंबर को कोमोरिन क्षेत्र।

  बंगाल की खाड़ी: 12 से 17 दिसंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र; 12 दिसंबर को दक्षिण तमिलनाडु तट के आसपास और उससे दूर।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 12-15 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	12- Dec	13- Dec	14- Dec	15- Dec	16- Dec	17- Dec	18- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

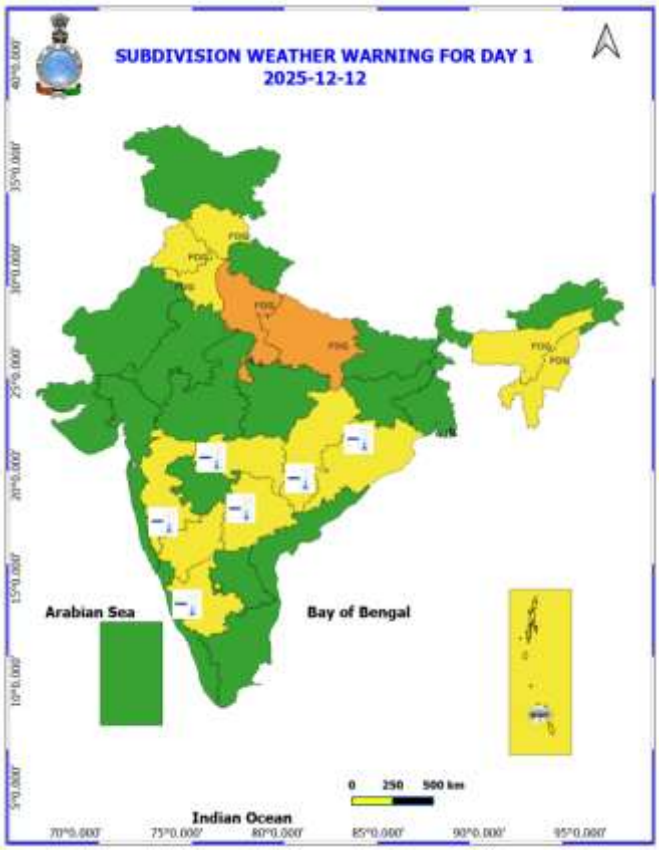
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-12
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

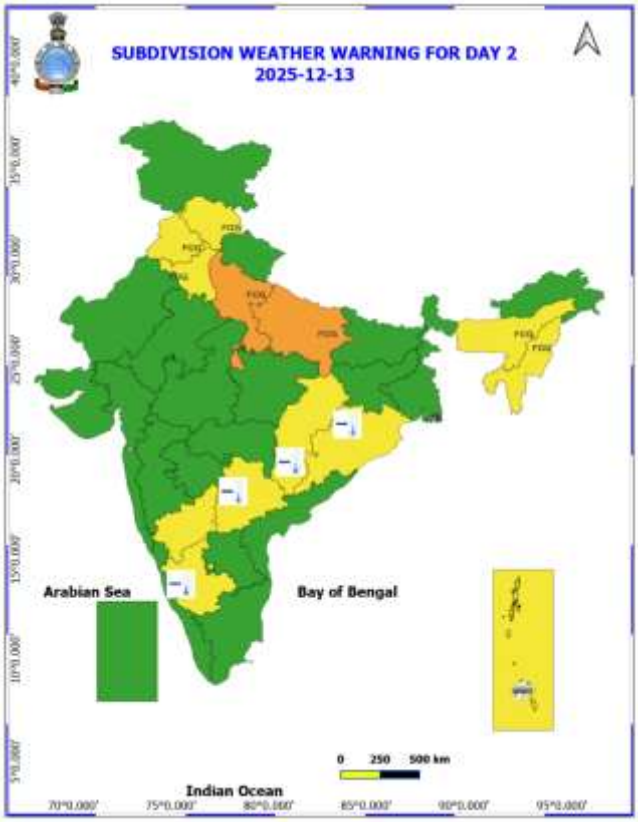
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

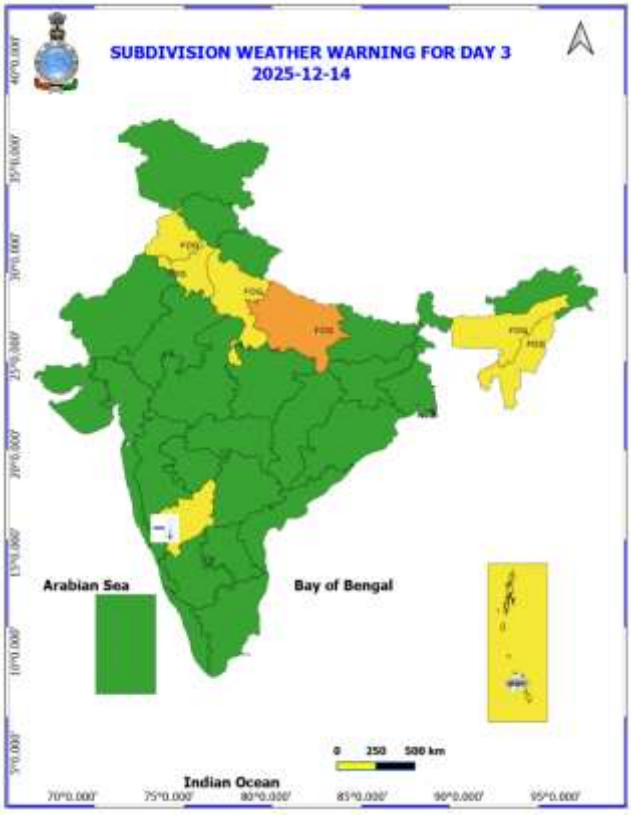
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

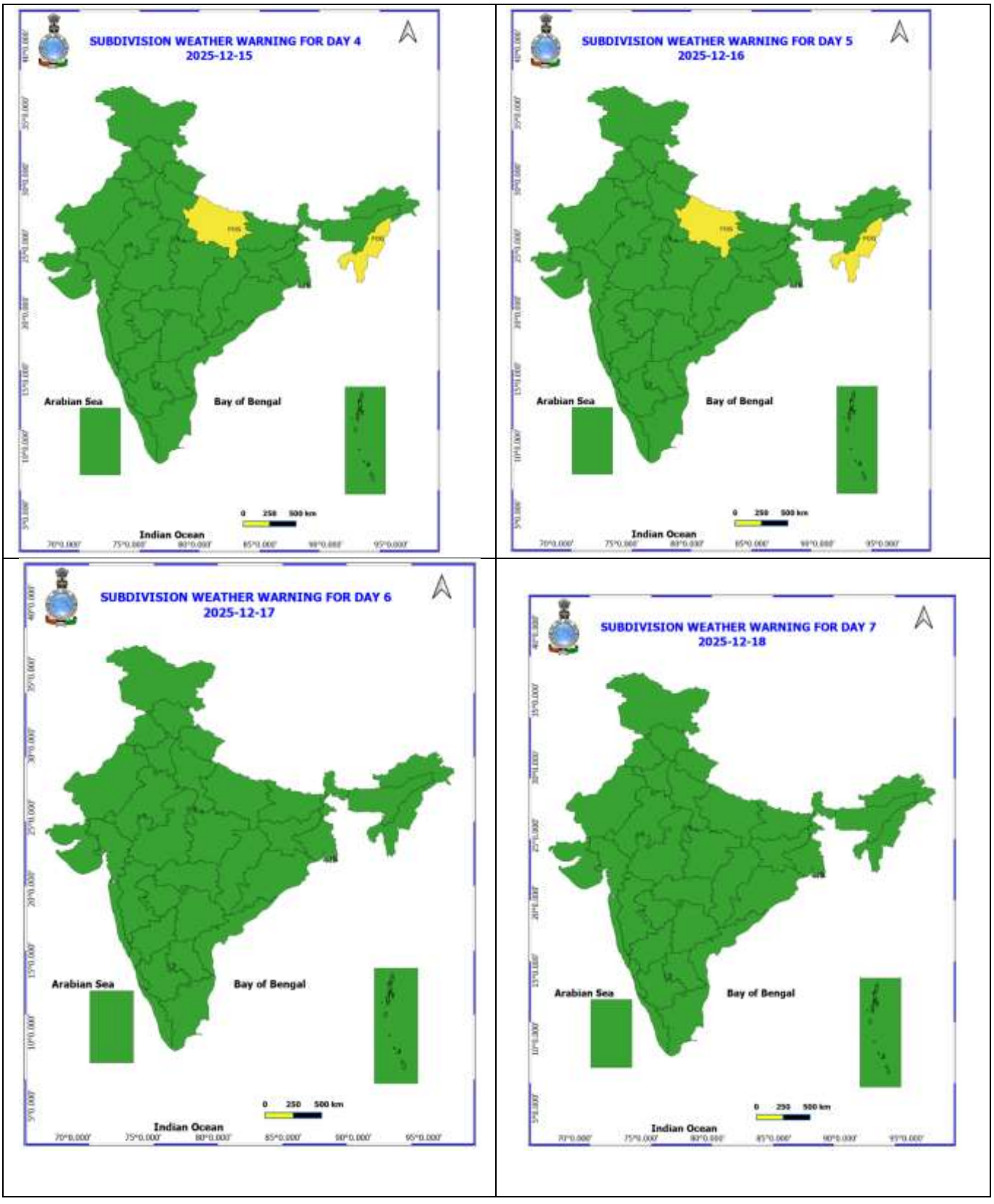

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

12 से 15 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है और न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 26 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। दिल्ली में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहा, कुछ स्थानों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) और कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। पालम हवाई अड्डे पर धुआं देखा गया। पिछले 24 घंटों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 6 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

12.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। रात में धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.0 से 3.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति दोपहर के समय 5 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 5 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी।

13.12.2025: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर हल्की धुंध छाई रहेगी और कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति सुबह के समय 5 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटेगी और पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

14.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.4 से 3.4 डिग्री सेल्सियस) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर, शाम और रात के समय उत्तरी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

15.12.2025: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतही हवा का प्रमुख प्रवाह उत्तर-पश्चिम दिशा से होने की संभावना है, जिससे सुबह के समय हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा तक शांत रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

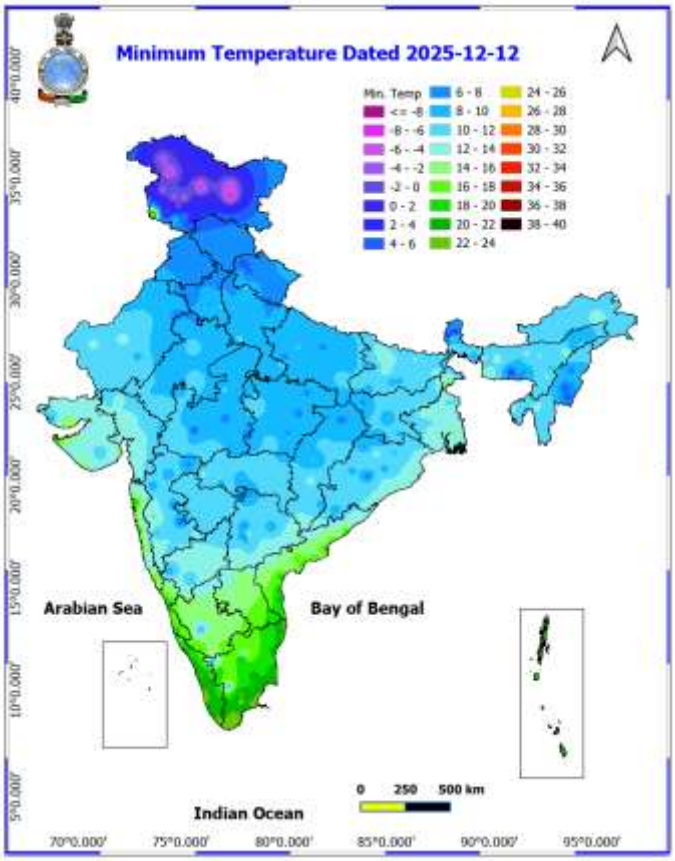

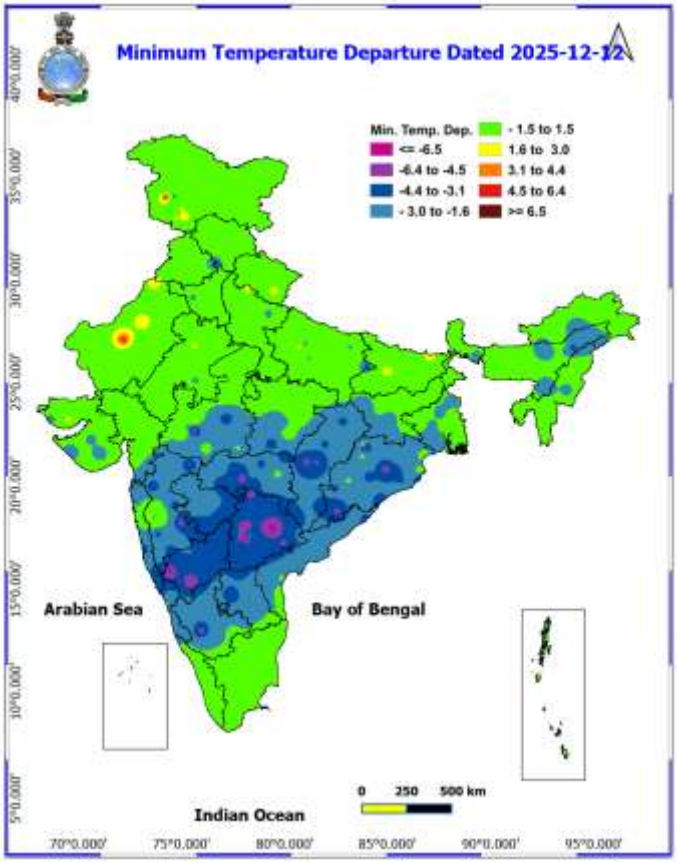

शीत लहर की स्थिति के कारण विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र में 13 दिसंबर को, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा में 13 और 14 दिसंबर को और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 13 और 14 दिसंबर को छिटपुट स्थानों पर इसके बने रहने की संभावना है।

प्रभाव अपेक्षित

- फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्ज़ियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण निम्नलिखित प्रभाव अपेक्षित हैं: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-थलग इलाकों में 13 से 15 दिसंबर की सुबह के दौरान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 से 17 दिसंबर के दौरान, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13 से 17 दिसंबर के दौरान, असम और मेघालय, पंजाब, हरियाणा में 13 से 15 दिसंबर के दौरान और हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 दिसंबर को इसके बने रहने की संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

• मेट-उप-मंडल के क्षेत्रों में कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर प्रभाव पड़ सकता है।

• धीमी यात्रा के समय के साथ कठिन ड्राइविंग परिस्थितियाँ।

• यदि एहतियाती उपाय नहीं किए गए, तो इससे कुछ सड़क यातायात दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

• बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

• वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।

• वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।

• अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

• रखरखाव टीम को तैयार रखना।

• मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना।

शीत लहरों/सामान्य से कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम विज्ञान संबंधी सलाह

➢ **ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।**

पशुपालन / मुर्गीपालन

➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।

➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➢ **बागवानी** फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

➢ **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

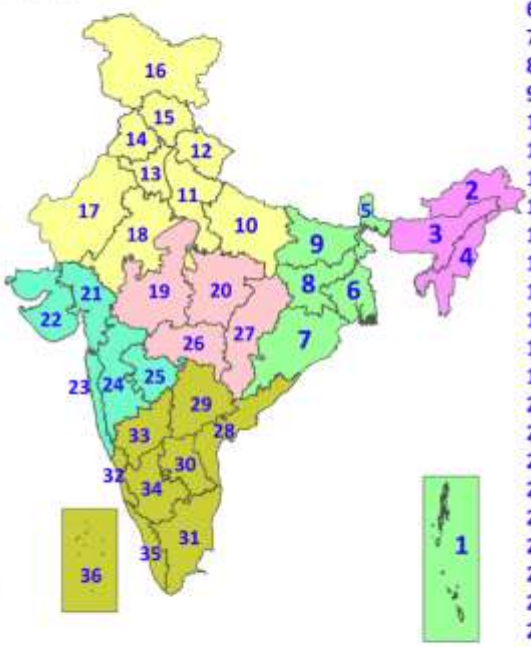

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)